ट्रक की टक्कर से स्कूटी में लगी आग, चालक घायल

नेशनल हाइवे 146 की घटना, तेज़ रफ़्तार वाहनों से हो रहे हादसे

सलामतपुर, 9 मार्च.रायसेन जिले के सांची विदिशा बाईपास के पास सोमवार सुबह करीब 11 बजे एक सड़क हादसा हो गया. विदिशा से भोपाल की ओर जा रहे 68 वर्षीय राजेंद्र माहेश्वरी निवासी विदिशा को एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर लगते ही राजेंद्र माहेश्वरी स्कूटी से गिरकर घायल हो गए, जबकि उनकी स्कूटी में आग लग गई और देखते ही देखते स्कूटी धूं-धूं कर जलने लगी.

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मदद करते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास किया और घायल को उपचार के लिए विदिशा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया. सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी और पुलिस मौके पर पहुंची और आयशर ट्रक यूपी80 एफटी 0564 को जब्त कर लिया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे 18 और नेशनल हाइवे 146 पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में बसें और अन्य छोटे बड़े वाहन नियम विरुद्ध दौड़ रही हैं. जिनका आरटीओ द्वारा कभी भी फिटनेस या परमिट चेक नहीं किया जाता है. इन यात्री बसों के संचालकों द्वारा यात्रियों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है. यहां गौर करने वाली बात यह है कि रायसेन आरटीओ प्रतिदिन सलामतपुर, दीवानगंज, त्रिमूर्ति चौराहा, सांची आदि जगहों पर चेकिंग कर रहे हैं. लेकिन उनको ये तेज़ रफ़्तार वाहन, लंबी दूरी की बसें और भोपाल विदिशा जाने वाली यात्री बसें नज़र नही आ रही हैं. जिसकी वजह से यात्रियों की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है. स्थानीय नागरिकों ने कहा है कि अगर शीघ्र ही ऐसी वाहनों पर कार्रवाई नही की गई तो इस तरह की गंभीर दुर्घटनाएं होती रहेंगी.स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से भी मांग की है कि इन बसों और कमर्शियल वाहनों पर नियंत्रण किया जाए. अन्यथा बड़ा आंदोलन किया जाएगा.

> भोपाल विदिशा स्टेट हाइवे 18 और एनएच 146 पर तेज़ रफ़्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं. शासन प्रशासन को इस और ध्यान देकर ऐसे वाहनो पर चालानी कार्रवाई करना चाहिए.
> **– राकेश मीणा,** समाजसेवी रातातलाई.
>
> नेशनल हाइवे 146 पर सोमवार को हुई घटना में तेज रफ्तार आयशर वाहन चालक ने लापरवाही से चलाकर स्कूटी में टक्कर मारी थी. वो तो गनीमत रही कि दुर्घटना में चालक को मामूली चोटें ही आईं वरना बड़ा हादसा हो सकता था.
> **–आसिफ मंसूरी,** समाजसेवी सलामतपुर.

गेहूं फसल कटाई की तैयारी में किसान

सिलवानी, 9 मार्च. क्षेत्र में रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं अब पूरी तरह पककर तैयार हो गई है. खेतों में सुनहरी बालियों से लहलहाती गेहूं की फसल किसानों की मेहनत की गवाही दे रही है. कई गांवों में किसान अब कटाई की तैयारियों में जुट गए हैं और कुछ स्थानों पर हार्वेस्टर मशीनें भी खेतों में पहुंचने लगी हैं.

इस वर्ष समय पर हुई बारिश और अनुकूल मौसम के कारण फसल की बढ़वार अच्छी रही है, जिससे किसानों को बेहतर उत्पादन की उम्मीद है. खेतों में दूर-दूर तक फैली सुनहरी फसल देखकर किसानों के चेहरे पर संतोष और खुशी नजर आ रही है.

हालांकि कुछ क्षेत्रों में फसल में रोग और मौसम के उतार-चढ़ाव से हल्का नुकसान भी हुआ है, लेकिन अधिकांश किसानों को अच्छी पैदावार की उम्मीद है. आने वाले दिनों में कटाई का कार्य तेज होने के साथ ही मंडियों में गेहूं की आवक भी शुरू हो जाएगी.

एक नजर में

चंद्रपाल का एमपीपीएससी में चयन

बेगमगंज, 8 मार्च. प्रतिभा किसी की क्षेत्र में अपनी काबिलियत सिद्ध करके परिवार का नाम रौशन कर देती है. वह भी जब गांव में मात्र हिंदी मीडियम का एक सदस्यीय शिक्षक वाला प्राइमरी स्कूल हो और पारिवारिक पृष्ठभूमि ठेठ किसानी हो. ऐसे ही सुल्तानगंज क्षेत्र के ग्राम पंदरभटा के एक किसान परिवार के होनहार डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव पिता स्व. भोपाल सिंह यादव का मप्र लोकसेवा आयोग द्वारा राज्य प्रशासनिक परीक्षा में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए चयनित होने पर पर सरपंच मलखानसिंह यादव सहित सभी ग्रामवासियों एवं रिश्तेदारों परिवार , गांव एवं क्षेत्र का नाम रौशन किए जाने पर खुशी का इजहार करते हुए बधाई प्रेषित की है. डॉ. यादव ने इसका श्रेय अपने बड़े भाई एवं परिवार सहित मार्गदर्शक गुरुओं को देते हुए उनके प्रति कृतिज्ञता प्रकट कर अपना जीवन शोषित , पीड़ित लोगों के लिए समर्पित कर निष्पक्षता एवं ईमानदारी से देश व समाज की सेवा करने का संकल्प लेना बताया.

भारत की जीत पर क्रिकेट प्रेमियों ने तिरंगा लहराया

सिलवानी, 9 मार्च. टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की शानदार जीत के बाद सिलवानी शहर में देर रात तक जश्न चलता रहा. जीत की खबर मिलते ही लोग चौराहों और सड़कों पर बड़ी संख्या में निकल आए. जगह-जगह पटाखे फोड़े गए. पूरे शहर में दीपावली जैसा माहौल दिखा. युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों ने तिरंगा लहराया. भारतीय टीम की जीत का जश्न मनाया. कई जगह लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई. गाँधी चौक, बजरंग चौराहा सहित दूसरे प्रमुख स्थानों पर देर रात तक भीड़ जुटी रही. लोगों ने ढोल-नगाड़ों पर नाच-गाकर खुशी मनाई. पटाखों की गूंज देर रात तक सुनाई दी. हर ओर भारतीय टीम की जीत के नारे लगे. क्रिकेट प्रेमियों ने इसे देश के लिए गर्व का पल बताया. खिलाड़ियों को बधाई दी.

एम्स भोपाल में बच्चों का कराया स्वर्ण प्राशन

भोपाल, 9 मार्च. बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एम्स भोपाल के आयुष विभाग में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर के मार्गदर्शन में स्वर्ण प्राशन आयुर्वेद ओपीडी में संपन्न हुआ. स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम वर्ष 2022 से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के दिन नियमित रूप से एम्स भोपाल में निःशुल्क आयोजित किया जा रहा है. इस कार्यक्रम में कुल 108 बच्चों ने भाग लिया, जिनमें 65 पूर्व पंजीकृत और 43 नए बच्चे शामिल रहे. आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. रंजना पांडे ने बच्चों एवं अभिभावकों को स्वर्ण प्राशन के लाभों के प्रति जागरूक किया. इस अवसर पर एसजीएसयू चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को उद्योगों में जाकर समझना विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है. इससे उन्हें उद्योगों की कार्यप्रणाली, प्रबंधन और व्यावसायिक प्रक्रियाओं की बेहतर समझ विकसित करने में मदद मिलती है तथा भविष्य में अपने करियर के लिए सही दिशा मिलती है.

भोजन की तलाश में भटक रहे वन्य जीव

सिलवानी, 9 मार्च.गर्मी की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र के जंगलों में पतझड़ का असर साफ दिखाई देने लगा है. पेड़ों से पत्ते झड़ जाने के कारण वन क्षेत्र काफी हद तक वीरान नजर आ रहे हैं. ऐसे में जंगलों में रहने वाले वन्य जीवों को भोजन और पानी की तलाश में भटकना पड़ रहा है.

वन क्षेत्रों में इन दिनों बंदर और लंगूर जैसे जीव सूखी घास और गिरे हुए पत्तों से ही अपनी भूख मिटाने को मजबूर हैं. भोजन की कमी के कारण उन्हें पेड़ों की डालियों पर बैठकर काफी समय तक भोजन की तलाश करते देखा जा सकता है.

हालांकि जमीन पर पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं है, लेकिन कुछ वृक्षों पर नई कोपलें और फूल आने लगे हैं, जो बंदर और लंगूरों के लिए पसंदीदा भोजन बन रहे हैं. इन पेड़ों की डालियों पर बैठकर वे नई पत्तियां और कोपलें खाकर अपनी भूख शांत कर रहे हैं.

वन क्षेत्र में पानी के स्रोत भी कम होने लगे हैं, जिससे वन्य जीवों को और अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही वन्य जीव अक्सर जंगलों से निकलकर आसपास के क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगते हैं.

महिलाएं अपने आप को कमजोर न समझें

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर गुलगांव में कार्यक्रम आयोजित

सलामतपुर, 9 मार्च. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी केंद्र द्वारा गुलगांव में महिला दिवस मनाया गया. जिसमें गांव की सभी महिला शक्ति ने बढ़-कर कर भाग लिया. महिला दिवस पर देवी मां के मंदिर पर महिलाओं का सम्मान कार्यक्रम रखा गया.

रायसेन से पधारी रायसेन सेवा केंद्र इंचार्ज ब्रह्माकुमारी शकुंतला दीदी ने राजयोग ध्यान के माध्यम से अपने आप को कैसे सशक्त बनाएं इस पर कहा महिलाएं अपने आप को कमजोर और निर्बल ना समझे वह खुद अपने आप में एक शक्ति है जो पूरे परिवार में वह समाज में शक्ति निरंतर भरती ही रहती है. परिवार की जड़ महिला पर ही केंद्रित रहती है.

विदिशा से पधारी ब्रह्माकुमारी किरण वाला बहन जी ने माता बहनों को ज्ञान कराया. वह किस तरह चलते फिरते गृह कार्य करते हम अपनी लगन और अपनी याद उसे एक निराकार परमपिता परमात्मा से कैसे जोड़े रह सकते हैं. इस पर ध्यान केंद्रित किया एवं माता बहनों को व्यस्त रहते हुए भी अपने आप को मजबूत बनाने अपने आप को संभाल बनाने के मंत्र दिए. एवं सांची ब्रह्माकुमारी से सेवा केंद्र इंचार्ज बीके रीको भारती दीदी ने कहां की हम सिर्फ एक ही दिन क्यों महिला दिवस मनाए हमारे सभी दिन महिला दिवस ही है. क्योंकि महिलाओं के बिना माता बहनों के बिना घर परिवार यह संसार अधूरा है. क्योंकि इसकी चलाने की शक्ति सिर्फ मां शक्ति नहीं है. हम दुर्गा देवी से शक्ति मांगते हैं लक्ष्मी जी से धन मांगते हैं सरस्वती जी से विद्या मांगते हैं. सभी यह देवियां सिर्फ मंदिरों में नहीं हमारे घरों में भी विराजमान है. हमारे परिवारों में एक-एक देवी समान है हर महिला अपने आप को परिवार की देवी समझ कर चले तो पूरा परिवार और घर स्वर्ग समान हो जाएगा. परिवार के सभी सदस्य भी देव तुल्य हो जाएंगे और जहां देवता रहते हैं उसे स्थान को स्वर्ग कहा जाता है इस दुनिया को स्वर्ग बनाने में नारी शक्ति का ही सबसे बड़ा आधार है नारी शक्ति ही स्वर्ग का द्वार है.

जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए बनाएं कार्ययोजना

टीएल बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

रायसेन, 9 मार्च. कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा समय सीमा वाले विभागीय पत्रों, योजनाओं तथा सीएम हेल्पलाईन निराकरण की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए.

बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर विश्वकर्मा ने आगामी 19 मार्च से शुरू हो रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह शासन का महत्वपूर्ण अभियान है. इसके सफल और प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी अधिकारी अभी से तैयारियां प्रारंभ कर दें. कलेक्टर ने सभी एसडीएम, जनपद सीईओ तथा सीएमओ से कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों की जनभागीदारी सुनिश्चित कराना है. नागरिकों को जल संरक्षण का महत्व बताते हुए अभियान से जोड़े. उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी आगामी बैठक के पहले सभी कार्ययोजना तैयार कर लें. इसके साथ ही गत वर्ष अभियान के तहत शुरू किए गए कार्यो में अगर कुछ कार्य अपूर्ण रह गए हैं तो उन्हें आगामी 15 दिवस में पूर्ण कराने के लिए भी निर्देशित किया गया.

नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को करें जागरूक

कलेक्टर विश्वकर्मा ने रबी उपार्जन हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, कृषि विभाग के अधिकारियों से कहा कि उपार्जन कार्य आगामी 16 तारीख से प्रारंभ हो रहा है! इसके दृष्टिगत सभी तैयारियां शीघ्र पूर्ण कर ली जाएं. यह शासन का महत्वपूर्ण कार्य है. उन्होंने जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने हेतु नरवाई प्रबंधन पर चर्चा करते हुए अधिकारियों से कहा कि फसल कटाई का कार्य शुरू होने वाला है.

राजस्व वसूली कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम से तहसीलवार राजस्व वसूली की जानकारी लेते हुए कहा कि गैरतगंज, बेगमगंज, सिलवानी, उदयपुरा, देवरी तथा बरेली में राजस्व वसूली बेहद कम है. साथ ही अन्य तहसीलों में भी प्रगति संतोषजनक नहीं है. सभी एसडीएम और तहसीलदार प्राथमिकता से राजस्व वसूली कार्य में तेजी लाएं. उन्होंने राजस्व अधिकारियों को नामांतरण, सीमांकन तथा बंटवारा सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का समयावधि में निराकरण सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए.

बकाया बिजली बिल पर सख्ती,25 कनेक्शन काटे

दीवानगंज सागोनी में 2000 रुपये से अधिक बकाया पर बिजली कंपनी की कार्रवाई

सलामतपुर, 9 मार्च. मार्च माह शुरू होते ही विद्युत वितरण कंपनी बकाया वसूली को लेकर सक्रिय हो गया है. सोमवार दोपहर करीब 1 बजे रायसेन जिले के दीवानगंज सागोनी क्षेत्र में बिजली कंपनी की टीम ने 2000 रुपये से अधिक बकाया बिल वाले 25 उपभोक्ताओं के कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए.

विभागीय कर्मचारियों ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं पर लंबे समय से बिजली बिल बकाया है, उनके विरुद्ध यह कार्रवाई की जा रही है. टीम द्वारा क्षेत्र में कई उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए तथा बकाया राशि जमा करने के निर्देश दिए गए. विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि जिनके बिजली बिल 2000 रुपये से अधिक बकाया हैं, वे शीघ्र भुगतान कर दें ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके. वितरण कम्पनी का कहना है कि बकाया वसूली को लेकर इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी.

इनका कहना है

बकाया वसूली के लिए गांव-गांव जाकर वसूली की जा रही है. राशि ज्यादा बकाया होने और जमा नही करने की स्तिथि में उपभोक्ताओं के कनेक्शन भी काटे जा रहे हैं. सोमवार को 25 ऐसे उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे गए हैं. जिन पर लगभग 2 हजार रुपए से अधिक बकाया लेना है. वहीं सलामतपुर और दीवानगंज क्षेत्र में लाखों रुपए बिजली उपभोक्ताओं पर बकाया है. यह कार्रवाई क्षेत्र सहित आसपास गांवों में निरंतर जारी रहेगी.

– मनीष कुमार श्रीवास्तव, जेई विद्युत वितरण कंपनी

विद्यार्थियों ने किया ओसवाल डेनिम का भ्रमण

भोपाल, 9 मार्च. स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी भोपाल के स्कूल ऑफ बैंकिंग, फाइनेंस एंड कॉमर्स द्वारा बी.कॉम विद्यार्थियों के लिए राजगढ़ जिले के पिलुखेड़ी स्थित ओसवाल डेनिम लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया. इस औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को उद्योगों में प्रबंधन, लागत नियंत्रण तथा सप्लाई चेन मैनेजमेंट की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने का अवसर मिला. बैंकिंग एवं एवं कॉमर्स के नजरिये से छात्रों ने कक्षा में पढ़ाए जाने वाले प्रिंसिपल्स को वास्तविक औद्योगिक प्रक्रियाओं से जोड़कर समझा.

परेशानी

मड़िया बांध के पानी में डूबी सड़क, दूसरे रास्ते पर निकलना मुश्किल

बेगमगंज-विदिशा मार्ग जलमग्न, यातायात बंद

बेगमगंज, 9 मार्च. बेगमगंज – बेरखेड़ी – हैदरगढ़ – विदिशा मार्ग पर प्रतिदिन एक दर्जन से अधिक यात्री वाहन एवं 100 के करीब अन्य वाहनों का आमगवन होता था, लेकिन बेगमगंज बेरखेड़ी बीना नदी के ऊपर बने पुल पर पानी बढ़ने से कल जलमग्न हो गया और यहां से पूरी तरह से आवागमन बंद हो गया है, जिसके कारण इस मार्ग से प्रतिदिन यात्रा करने वाले सैकड़ो लोग परेशान हो रहे हैं।

छोटे पुल पर पानी आ जाने के बाद मार्ग बंद होने से यहां पर बड़े पुल का निर्माण का टेंडर जारी किया गया जिसका ठेका हो गया है लेकिन संबंधित ठेकेदार द्वारा कछुआ चाल से कराए जा रहे निर्माण कार्य के चलते डेढ़ वर्ष होने के बावजूद भी उसका कार्य आज भी अधूरा पड़ा हुआ है। जिसकेके कारण उक्त मार्ग आज भी पूरी तरह से बंद है. वैकल्पिक तौर पर बेगमगंज माला फटाक से होकर आवागमन शुरू कराया गया था लेकिन मार्ग सकरा होने के कारण क्रॉसिंग में वाहन फंस जाते हैं और लोगों को घंटा परेशान होना पड़ता है. ठीक माला फाटक के पास वाले मार्ग पर इतनी कम जगह है कि यदि कोई वहां आमने-सामने आ जाते हैं तो किसी एक वाहन को पीछे हटाना पड़ता है क्योंकि क्रॉसिंग बहुत मुश्किल है.

पिछले 2 साल से आसपास के दो दर्जन से अधिक गांव के सैकड़ो किसान एवं नागरिक परेशान हो रहे हैं क्योंकि बेगमगंज कृषि उपज मंडी समिति में अपना अनाज लेकर बेचने आने वाले किसानों को लंबा चक्कर लगाकर कृषि मंडी आना पड़ रहा है , जिसके कारण उन्हें समय की बर्बादी के साथ आर्थिक परेशानी भी उठाना पड़ रही है. क्योंकि अपने गांव से बेगमगंज आते-आते उन्हें शाम भी हो जाती है जिसके कारण कृषि उपज मंडी प्रांगण में रात रुकने के बाद दूसरे दिन नीलामी में भाग लेना पड़ता है. कड़ाके की सर्दी में परेशान हो रहे किसानों की समस्या की ओर शासन- प्रशासन का ध्यान नहीं है.

> इसके अतिरिक्त बेगमगंज से हैदरगढ़ ,धामनोद ,दासीपुर , ग्यारसपुर , मनोरा एवं विदिशा आने-जाने वाले लोगों को भी बहुत ज्यादा परेशानी हो रही है , क्योंकि इस मार्ग पर चलने वाली यात्री बसों का संचालन बंद हो गया है . अब दूसरे मार्ग से संचालित होने से वाहनों का 2 घंटे का सफर 5 घंटे में पूरा हो रहा है . रायसेन जिले की सीमा से लगे विदिशा जिले क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांव का व्यापारिक संपर्क बेगमगंज से है जिसके कारण व्यापार भी प्रभावित हो रहा है . क्षेत्र के किसानों एवं नागरिकों ने कलेक्टर सहित मुख्यमंत्री से मांग की है , तत्काल बेगमगंज बेरखेड़ी घाट पर बनने वाले निर्माणधीन पुल का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कराया जाए ताकि वर्षाकाल से पूर्व आवागमन चालू होने से किसानों एवं नागरिकों को राहत मिल सके . पीडब्ल्यूडी एसडीओ राजाराम का कहना है , एमपीआरडीसी द्वारा कार्य कराया जा रहा है , जिस एजेंसी द्वारा सड़क निर्माण का ठेका लिया गया है , उसकी ही जिम्मेदारी है . उनकी लेटलतीफी के कारण ही निर्माण कार्य रुका हुआ है . एमपीआरडीसी के जिम्मेदार अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए .